कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

वर्ष:64 अंक-12 मुम्बई नवम्बर 2020

आयोग ने केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में चरखे का अनावरण कर मनाई गांधी जयंती

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष:64 अंक-12 मुम्बई नवम्बर 2020

इस अंक में.....

समाचार सार ..... 3 से 33

आयोग ने केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में चरखे का अनावरण कर मनाई गांधी जयंती.....

आयोग ने अनोखे खादी फुटवियर की शुरुआत की : 5000 करोड़ रुपये के व्यापार का लक्ष्य.....

एमएसएमई मंत्री द्वारा दिव्यांगजनों को मोबाइल खादी बिक्री इकाई का वितरण.....

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ने महाराष्ट्र में 100 कुम्हार परिवारों को विद्युत .....

ओडिशा की पहली टसर सिल्क सूत उत्पादन इकाई की आधारशिला रखी गयी .....

केवीआईसी द्वारा गांधी जी के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कारीगरों को सशक्त .....

महात्मा गांधी के 150 वर्ष पूरे होने पर देश भर में आयोजित कार्यक्रमों की झलक.....

प्रभावशाली 5 वर्ष के पूरा होने पर:आयोग के अध्यक्ष का अभिनंदन .....

आयोग ने दिवाली के लिए उच्च गुणवत्ता वाला मसलिन फैब्रिक मास्क लॉन्च किया .....

कोविड-19 से व्याप्त डर के बावजूद खादी इंडिया के कनॉट प्लेस स्थित प्रमुख विक्रय केन्द्र .....

आयोग के अध्यक्ष ने एसीबी कार्यालय,अहमदाबाद में महात्मा गांधी की प्रतिमा का .....

आयोग में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया .....

गांधी जयंती के अवसर पर आयोग ने जम्मू-कश्मीर में रोज़गार सृजन गतिविधियों .....

गुजरात में विद्युत चालित कुम्हारी चाक का वितरण .....

आयोग के अध्यक्ष द्वारा कोविड लॉकडाउन के उपरान्त पहली खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन .....

राज्य/मण्डलीय कार्यालयों में गांधी जयंती समारोह का आयोजन.....

आयोग के अध्यक्ष द्वारा प्रयागराज में 300 मधुमक्खी बॉक्स वितरित .....

लखनऊ में राज्य स्तरीय प्रदर्शनी आयोजित

आयोग के अध्यक्ष द्वारा प्रशिक्षित कारीगरों को प्रमाण पत्र के साथ 60 विद्युत कुम्हारी चाक .....

मधुमक्खी के बक्सों और मधुमक्खी के छत्तों का वितरण .....

सांगली में विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित.....

अमेठी में कुम्हारी कला में प्रशिक्षित कारीगरों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित.....

नीरा पर जागरूकता कार्यक्रम .....

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, बिहार के कुम्हार समुदाय के "आदर्श" क्यों हैं?.....

प्रेस कवरेज .....34 से 43

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
स्मिता जी. नायर

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवाद अधिकारी
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

आयोग ने केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में चरखे का अनावरण कर मनाई गांधी जयंती

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने महात्मा गांधी की जयंती के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मुंबई स्थित अपने केंद्रीय कार्यालय परिसर में 3.5 फीट का स्टील चरखा स्थापित किया।

अपने उद्घाटन भाषण में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा, "चरखे की यह यात्रा भारत के स्वदेशी आंदोलन का प्रतीक है, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वतंत्रता की इस यात्रा को आगे ले जाने के लिए और

केवीआईसी के लिए यह वास्तव में एक गौरवशाली क्षण है। उन्होने कहा कि यह हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सपना और सोच है कि हमारे सामाजिक ताने-बाने का यह साधन वैश्विक स्तर पर पहुंचे। हमारे प्रधान मंत्री के इस विजन के पश्चात, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, समाज के वंचित लोगों के जीवन के उत्थान के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है और अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों के साथ विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान गरीब से गरीब लोगों के घर में एक दीपक जलाने का कार्य कर रहा है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने राष्ट्र निर्माण में एक मजबूत भूमिका निभाई है, और यह विगत 8 वर्षों में 6.28% से 28% की छलांग वृद्धि से भी परिलक्षित होता है, जिसे खादी और ग्रामोद्योगी कारीगरों को सशक्त बनाने में गौरवशाली काल के रूप में पहचान जा सकता है।

एक बार फिर खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मुंबई में चरखे की स्थापना हमारे उन कारीगरों को एक आदरांजलि है, जिन्होंने गांधीजी द्वारा स्थापित विरासत में अपना जीवन समर्पित किया है। यह उल्लेखनीय है कि विगत चार वर्षों में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने देश भर में भव्य चरखे स्थापित किए हैं ताकि हमारे स्वतंत्रता संग्राम में चरखे के महत्व का स्मरण लोगों को बना रहे, जिनमें नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर, जो दुनिया का सबसे बड़ा चरखा है, कनॉट प्लेस के राजीव चौक पर विशाल स्टील चरखा, मोतिहारी के चरखा पार्क में गांधी संग्रहालय के सामने स्थित स्टील चरखा और साबरमती रिवरफ्रंट पर स्टील चरखा है।

इससे पहले 1 अक्टूबर, 2020 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती की पूर्व संध्या पर, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा के साथ देश भर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से खादी और ग्रामोद्योग की 150 गतिविधियों का शुभारंभ किया, जिसमें बिक्री आउटलेट /वर्कशेड, स्फूर्ति व पी.एम.ई.जी.पी. इकाइयों के उद्घाटन, कारीगरों को कुम्हारी चाकों पर प्रशिक्षण, मधुमक्खी बक्से एवं चरखों का वितरण आदि शामिल हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि कार्यक्रमों का उद्देश्य स्थायी और स्थानीय रोजगार पैदा करना और कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाना है।

उन्होंने आगे कहा कि "महात्मा गांधी हमेशा मानते थे कि ग्रामीण पुनरुत्थान देश के विकास की कुंजी है और माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी का भी यही विजन है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग की यह पहल निश्चित रूप से किसानों, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से की गयी है। श्री सक्सेना ने कहा कि आजीविका के अवसर पैदा करना, स्थानीय उत्पादन बढ़ाना और खादी संस्थाओं को नए व्यापार व विपणन मंच उपलब्ध कराना, "आत्मनिर्भर भारत " का मार्ग प्रशस्त करेगा।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने आयोग के केन्द्रीय कार्यालय परिसर में गांधीजी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात संबोधित करते हुए कहा, कि गांधी जी के चरखे के स्थापना खादी और ग्रामोद्योग आयोग के लिए गर्व की बात है क्योंकि गांधीवादी

(शेष पृष्ठ 28 पर)

आयोग ने अनोखे खादी फुटवियर की शुरुआत की

5000 करोड़ रुपये के व्यापार का लक्ष्य

अब जूते-चप्पलों में दस्तकारी और खादी वस्त्र की सुंदरता को महसूस करें। केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने 21 अक्तूबर, 2020 को खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा डिजाइन किए गए भारत के पहले उच्च गुणवत्ता वाले खादी फैब्रिक फुटवियर का शुभारंभ किया।

ये फुटवियर रेशम, सूती और ऊन जैसे खादी वस्त्रों से बने हैं । श्री गडकरी ने केवीआईसी के ई-पोर्टल www.khadiindia.gov.in के माध्यम से खादी फुटवियर की ऑनलाइन बिक्री भी शुरू की।

श्री गडकरी ने खादी कपड़े के फुटवियर की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के अनूठे उत्पादों में अंतरराष्ट्रीय बाजार को कब्ज़ा करने की उच्च क्षमता है। साथ ही, उन्होंने कहा, फुटवियर में खादी वस्त्रों के इस्तेमाल से हमारे कारीगरों के लिए अतिरिक्त रोजगार और उच्च आय के अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने कहा, "खादी फुटवियर एक अनूठा उत्पाद है। अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता और पतले वस्त्र जैसे पटोला सिल्क, बनारसी सिल्क, कॉटन, डेनिम के उपयोग से बना यह फुटवियर ऑनलाइन खरीददारी करने वाले युवाओं को आकर्षित करेगा और ये जूते पहनने योग्य हैं।" श्री गडकरी ने कहा कि मैंने खादी और ग्रामोद्योग आयोग को महिलाओं के हैंडबैग, पर्स, खादी वस्त्र दस्तकारी किये हुए बटुओं आदि चर्म उत्पादों के विकास

का आग्रह किया है, जिसकी विदेशी बाजारों में बहुत बड़ी संभावना है। एमएसएमई मंत्री ने कहा, "विदेशों में ऐसे उत्पादों का विकास और विपणन करके, खादी इंडिया 5000 करोड़ रुपये के बाजार पर कब्जा कर सकता है।"

माननीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री, श्री प्रताप चन्द्र सारंगी ने कहा कि खादी वस्त्र के जूते न केवल पर्यावरण के अनुकूल और त्वचा के अनुकूल हैं बल्कि यह खादी कारीगरों की उस कड़ी मेहनत को दर्शाता है जो उन्होंने इन जूते के वस्त्र बनाने के लिए की है। श्री सारंगी ने कहा, "मैं वैश्विक रूचि के अनुसार खादी वस्त्र के जूते विकसित करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग को बधाई देता हूं। मुझे यकीन है कि फुटवियर उद्योग में एक बड़ी हिस्सेदारी पर कब्जा करके, खादी वस्त्र के उपयोग से बने जूते देश की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में मदद करेंगे।"

शुरुआत करने के लिए, महिलाओं के जूतों के 15 और पुरुषों के लिए 10 डिज़ाइन लॉन्च किए गए हैं। गुजरात के पटोला सिल्क, बनारसी सिल्क, बिहार के मधुबनी प्रिंटेड सिल्क, खादी डेनिम, टसर सिल्क, मटका-कटिया सिल्क, विभिन्न प्रकार के सूती वस्त्र, ट्वीड ऊन और खादी पॉली वस्त्र जैसे उत्तम खादी उत्पादों का उपयोग इन फुटवियर को सुन्दरता प्रदान करने व उन्हें और फैशनेबल बनाने के लिए किया गया है। डिजाइन, रंग और प्रिंट की एक विस्तृत श्रृंखला में उपलब्ध, इन फुटवियर को औपचारिक, केजुअल और उत्सवों के अवसर आदि सभी उद्देश्यों को पूरा करते हुए खादी वस्त्र से डिज़ाइन किया गया है। खादी फुटवियर की कीमत 1100 रुपये से लेकर 3300 रुपये प्रति जोड़ी है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने इस अवसर पर कहा कि नए बाजारों में उद्यम करना, नए बाजारों का दोहन करना और उत्पाद रेंज में विविधता लाने के लिए माननीय प्रधान मंत्री की परिकल्पना पिछले छह वर्षों में खादी की शानदार सफलता का मंत्र बन गयी है।

श्री सक्सेना ने कहा "खादी फैब्रिक फुटवियर को लॉन्च करने के पीछे का विचार अंतरराष्ट्रीय बाजार का दोहन करना था, जहां अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ताओं का एक बड़ा वर्ग तेजी से शाकाहारी हो रहा है और इसलिए, खादी इस सेगमेंट का पसंदीदा विकल्प बन जाएगा। खादी वस्त्रों से निर्मित जूते लोगों के लिए एक छोटा कदम है, लेकिन यह हमारे खादी कारीगरों के लिए एक लम्बी छलांग साबित होगा। फुटवियर में सूती, रेशम और वूल जैसे महीन कपड़े का उपयोग करने से कारीगरों द्वारा कपड़े के उच्च उत्पादन के साथ-साथ इसकी खपत में भी वृद्धि होगी। अंततः यह खादी कारीगरों के लिए अतिरिक्त रोजगार और उच्च आमदनी का सृजन करेगा ।" भारतीय फुटवियर उद्योग लगभग 50,000 करोड़ रुपये का है जिसमें लगभग 18,000 करोड़ रुपये का निर्यात शामिल है। श्री सक्सेना ने कहा कि हमारा प्रारंभिक लक्ष्य इस उद्योग के कम से कम 2% पर कब्जा करना है, जिसका अनुमान लगभग 1000 करोड़ रुपये है।

संयोग से, खादी कपड़े के जूते के विकास के पीछे का विचार माननीय प्रधान मंत्री के " लोकल टू ग्लोबल" विचार के साथ मेल खाता है। इससे पहले, आयोग ने टाइटन के साथ मिलकर अपनी पहली खादी कलाई घड़ी सफलतापूर्वक लॉन्च की थी जो बाजार में एक ट्रेंड कर रही है।

◆◆

एमएसएमई मंत्री द्वारा दिव्यांगजनों को मोबाइल खादी बिक्री इकाई का वितरण

2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर नागपुर के अपने संसदीय क्षेत्र में मोबाइल खादी बिक्री इकाइयों के वितरण के साथ, माननीय एमएसएमई मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा दिव्यांग लोगों को आत्मनिर्भर भारत अभियान के साथ जोड़ने की एक महान पहल शुरू की गई।

श्री गडकरी ने वीडियो- सम्मेलन के माध्यम से 5 दिव्यांग लोगों को ई-रिक्शा वितरित किए। ये लाभार्थी खादी के विभिन्न उत्पादों, जैसे खादी के कपड़े, रेडीमेड कपड़े, खाद्य पदार्थ, खाद्य मसाले और अन्य स्थानीय स्तर पर बने उत्पादों, को पास के गाँवों में बेच सकेंगे । अगले 5 दिनों में अन्य 5 मोबाइल खादी बेचने वाली इकाइयों को वितरित किया जाएगा।

श्री गडकरी ने केवीआईसी की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे दिव्यांग लोगों को स्थायी आजीविका के अवसर पैदा होंगे। साथ ही उन्होंने कहा, इससे खादी की बिक्री बढ़ेगी और इस तरह से खादी कारीगरों द्वारा उच्च उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत के प्रत्येक जिले में दिव्यांग लोगों को कम से कम 500 ऐसी मोबाइल बेचने वाली इकाइयों को वितरित करने का प्रयास किया जाएगा।

श्री गडकरी ने आगे कहा, "यह केवीआईसी द्वारा देश में अपनी तरह की पहली पहल है। इन मोबाइल बेचने वाली इकाइयों के साथ, हमारे दिव्यांग भाई एक सम्मानजनक और स्थायी आजीविका कमाने में सक्षम होंगे। जैसाकि वे खादी उत्पादों को बेचने के लिए विभिन्न गांवों में जाएंगे, इससे खादी की पहुंच भी बड़ी आबादी तक बढ़ेगी।"

एक अन्य पहल में, जो खादी सिल्क कारीगरों को स्थानीय रोजगार पैदा करेगी, एमएसएमई के माननीय राज्य मंत्री, श्री प्रताप चन्द्र सारंगी ने ओडिशा के चौद्वार में एक रेशम उत्पादन सह प्रशिक्षण केंद्र की नींव रखी। यह राज्य की पहली ऐसी इकाई है जो उच्च गुणवत्ता वाले टसर सिल्क यार्न का उत्पादन करेगी।

इस अवसर पर श्री सारंगी ने कहा कि यह स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाने और ओडिशा में रेशम उत्पादन बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि ओडिशा उच्च गुणवत्ता वाले रेशम के उत्पादन के लिए जाना जाता है; हालाँकि, स्थानीय रेशम उत्पादन और प्रशिक्षण केंद्र के लिए कच्चे माल की खरीद बाहर से की जानी थी। श्री सारंगी ने कहा, "यह न केवल हमारे कारीगरों को प्रशिक्षित करने में मददगार होगा बल्कि स्थायी रोजगार भी पैदा करेगा।"

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, जो वीडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस आयोजन में शामिल हुए, ने कहा कि रेशम उत्पादन सह प्रशिक्षण इकाई राज्य में सिल्क गतिविधियों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन होगा और उन्होंने सुनिश्चित किया कि यह इकाई अगले दो से तीन माह में काम करना शुरू कर देगी।

◆◆

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ने महाराष्ट्र में 100 कुम्हार परिवारों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किए

महाराष्ट्र के नांदेड़ और परभणी जिलों में 100 कुम्हार परिवारों ने 28 अक्तूबर, 2020 को खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) की कुम्हार सशक्तिकरण योजना के साथ सशक्तिकरण की ओर एक कदम बढ़ाया।

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने, वीडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से, 100 कुम्हार परिवारों को इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील और अन्य आधुनिक उपकरण वितरित किए, जिन्हें केवीआईसी द्वारा 10-दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया है।

यह कुम्हार परिवार 15 गाँवों के हैं - नांदेड़ के 10 गाँव और परभणी जिलों के 5 गाँव - जिन्हें मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए यह आधुनिक उपकरण वितरित किए गए। इस वितरण से कुम्हार समुदाय के कम से कम 400 सदस्यों की उत्पादकता और उनकी आय में वृद्धि होगी, जो माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सपना है।

श्री गडकरी ने केवीआईसी की कुम्हार सशक्तिकरण योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह देश में कुम्हारों के जीवन को मजबूत करने और बेहतर बनाने के लिए आजादी के बाद से की गई पहली पहल है। श्री गडकरी ने कहा, "कुम्हार

(शेष पृष्ठ 17 पर)

ओडिशा की पहली टसर सिल्क सूत उत्पादन इकाई की आधारशिला रखी गयी

केन्द्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री श्री प्रताप चन्द्र सारंगी ने ओडिशा के चौद्वार में एक रेशम उत्पादन सह प्रशिक्षण केंद्र की नींव रखी। यह राज्य की पहली ऐसी इकाई है जो ओड़िशा राज्य में रेशम उद्योग के लिए स्थानीय कच्चे माल उपलब्ध कराकर उच्च गुणवत्ता वाले टसर सिल्क यार्न का उत्पादन करेगी और स्थानीय खादी सिल्क कारीगरों को रोजगार प्रदान करेगी।

2 अक्तूबर, 2020 को गांधी जयंजी के अवसर पर केन्द्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री श्री प्रताप चन्द्र सारंगी ने ओडिशा के चौद्वार में एक रेशम उत्पादन सह प्रशिक्षण केंद्र की नींव रखी।

इस अवसर पर श्री सारंगी ने कहा कि यह स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाने और ओडिशा में रेशम उत्पादन बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि ओडिशा उच्च गुणवत्ता वाले रेशम के उत्पादन के लिए जाना जाता है; हालाँकि, स्थानीय रेशम उत्पादन और प्रशिक्षण केंद्र के लिए कच्चे माल की खरीद बाहर से की जानी थी। श्री सारंगी ने कहा, "यह न केवल हमारे कारीगरों को प्रशिक्षित करने में मददगार होगा बल्कि स्थायी रोजगार भी पैदा करेगा।"

श्री सारंगी ने कहा, "शुरुआत में, विनिर्माण इकाई लगभग 40 लोगों को रोजगार प्रदान करेगी। अगले एक साल में, हम उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना बना रहे हैं, जो लगभग 500 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा।"

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, जो वीडियो- कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस आयोजन में शामिल हुए, ने कहा कि रेशम उत्पादन सह प्रशिक्षण इकाई राज्य में सिल्क गतिविधियों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन होगा और उन्होंने सुनिश्चित किया कि यह इकाई अगले दो से तीन माह में काम करना शुरू कर देगी।

केवीआईसी द्वारा गांधी जी के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए 150 कार्यक्रमों का आयोजन

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा देश भर में 150 बड़े कार्यक्रमों का आयोजन कर गांधीजी को पुष्पांजलि अर्पित की गई।

गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने गांधी जयंती मनाने के लिए देश भर में 1 अक्तूबर, 2020 को 150 कार्यक्रमों का उद्घाटन किया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा देश में इतने बड़े पैमाने पर इस तरह की गतिविधि पहली बार आयोजित की गयी हैं। पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर एवं अन्य राज्यों जैसे हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर तथा गुजरात में कारीगरों के सशक्तिकरण के लिए सबसे अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

केवीआईसी की महत्वाकांक्षी कुम्हार सशक्तिकरण योजना, पहली बार मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स पर पहुंची, जहां फुलबारी गांव में 40 कुम्हार परिवारों के लिए प्रशिक्षण शुरू किया गया। कुल मिलाकर, उत्तर पूर्वी राज्यों में 10 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें रेडीमेड वस्त्र इकाईयाँ, आभूषण उत्पादन इकाईयां एवं विभिन्न राज्यों में खादी बिक्री एम्पोरियम के उद्घाटन भी शामिल हैं।

देश भर में 41 नए खादी बिक्री आउटलेट, प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत 27 नई विनिर्माण इकाईयां तथा 14 नए कार्य शेड एवं सामान्य सुविधा केंद्रों का उद्घाटन किया गया। इनमें वाराणसी में 8 नए बिक्री आउटलेट और 4 नए कार्य शेड शामिल हैं। 10 अलग-अलग स्थानों पर खादी कारीगरों को नए मॉडल चरखे वितरित किए गए। ये नई सुविधाएं कारीगरों की उत्पादकता और उनकी आय बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। हनी मिशन, कुम्हार सशक्तिकरण योजना एवं खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा क्रियान्वित भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पी.एम.ई. जी.पी. के तहत स्थापित कई विनिर्माण इकाइयों के द्वारा आयोजित अनेकों कार्यक्रमों का भी उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि ये सभी कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर स्थायी रोजगार सृजन और कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए किये गए हैं। "महात्मा गांधी हमेशा मानते थे कि ग्रामीण पुनरुत्थान देश के विकास की कुंजी है और माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी का भी यही विजन है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग की यह पहल निश्चित रूप से किसानों, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से की गयी है। श्री सक्सेना ने कहा कि आजीविका के अवसर पैदा करना, स्थानीय उत्पादन को बढ़ाना और खादी संस्थाओं को नए व्यापार हेतु बेहतर विपणन मंच

उपलब्ध करके ही "आत्मनिर्भर भारत" का मार्ग प्रशस्त होगा।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम के तहत कुछ सफल उद्यमियों ने भी खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सहयोग से अपनी गतिविधियों का विस्तार किया। इसमें उत्तर प्रदेश के मेरठ की एक महिला उद्यमी भी शामिल है, जिसने चार साल पहले 16 लाख रुपये के ऋण के साथ सिलाई गतिविधियों की शुरुआत की थी, जिसने एक पूर्ण रूप से होम फर्निशिंग विनिर्माण केंद्र शुरू करने के लिए दूसरी बार करोड़ रुपये का ऋण लिया है और जिसमें 60 लोगों को रोजगार दिया गया है। इसी प्रकार, मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ में एल्युमीनियम बर्तन निर्माण की एक इकाई को, 55 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करने वाली, उत्पादन क्षमता का विस्तार करने के लिए दूसरी बार 60 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया।

जम्मू और कश्मीर के पंपोर में केवीआईसी ने क्रूएल और सोज़नी कढ़ाई कार्य एवं शॉल की बुनाई कार्य के लिए कारीगरों हेतु प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। इसी प्रकार, हिमाचल प्रदेश में, डिस्पोजल प्लेट, लकड़ी के फर्नीचर निर्माण इकाइयों के साथ एक बुटीक इकाई का भी उद्घाटन किया गया। पश्चिम बंगाल में, 10 खादी बिक्री आउटलेट और 3 नए सामान्य सुविधा केंद्रों का उद्घाटन किया गया।

केरल के पेयान्नूर में, एक डिज़ाइन क्लिनिक और ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल का उद्घाटन किया गया, जबकि कोयट्टम में दिव्यांग लोगों को चरखे वितरित किए गए। उत्तर प्रदेश ने भी पीएमईजीपी योजना के तहत निर्माण इकाइयों, जैसे सीमेंट ब्लॉक, डिटर्जेंट पाउडर, गैर-महिला बैग, ऑटोमोबाइल और ब्यूटी पार्लर की कार्यशाला, के उद्घाटन के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए। उत्तराखंड में फर्नीचर निर्माण इकाई और मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण शुरू किया गया।

2 अक्टूबर से, केवीआईसी ने सभी खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों पर 20% की प्रथानुसार वार्षिक बिक्री की घोषणा की है। यह डिस्काउंट ऑफर 1 अक्टूबर और 2 अक्टूबर की मध्यरात्रि से http://www.kviconline.gov.in/khadimask पर ऑनलाइन प्राप्त की जा सकता है।

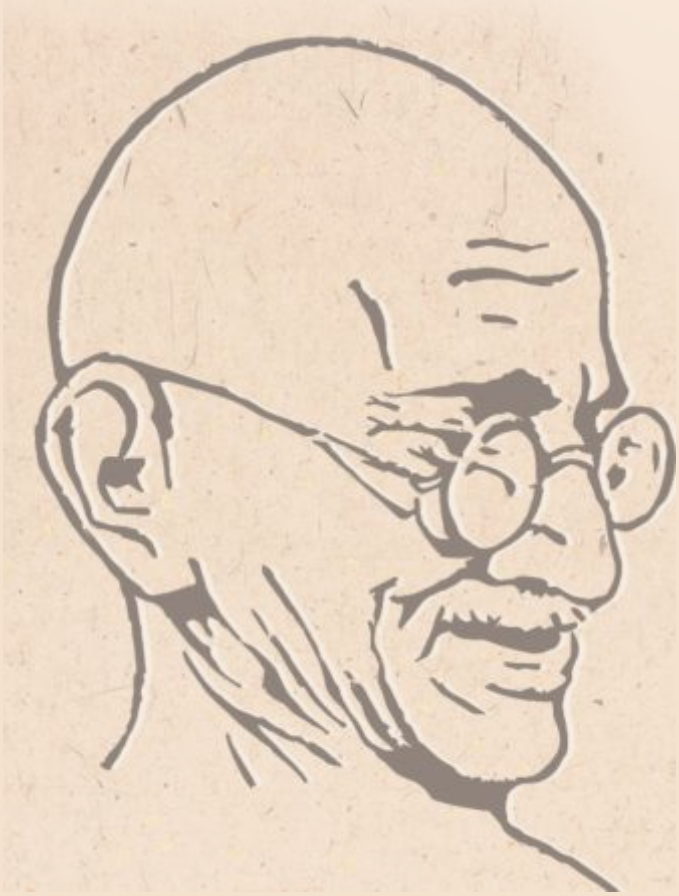

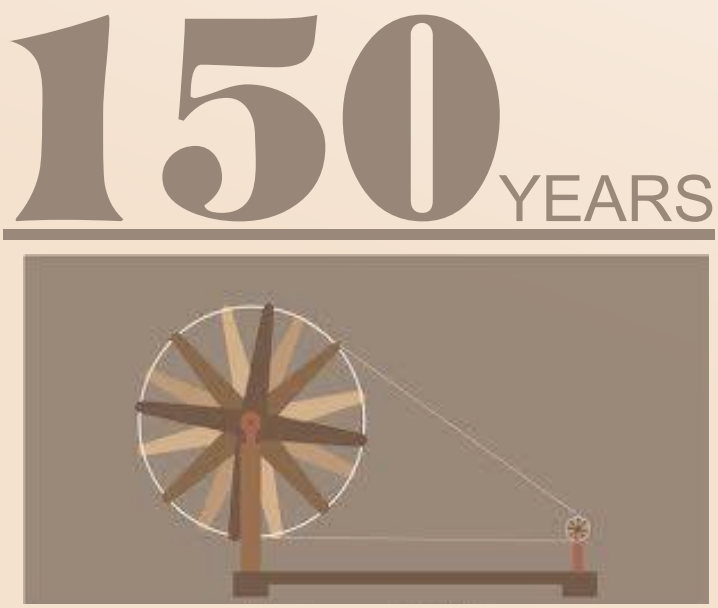

महात्मा गांधी के 150 वर्ष पूरे होने पर देश भर में आयोजित कार्यक्रमों की झलक

आयोग के अध्यक्ष द्वारा 151 वीं गांधी जयंती पर खादी की वार्षिक बिक्री की शुरूआत

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 151 वीं गांधी जयंती पर खादी की वार्षिक बिक्री की शुरुआत की।

खादी की बिक्री ज्यादा से ज्यादा लोगों को खादी कारीगरों और स्वदेशी उत्पादों से जोड़ने का जरिया है।

आयोग के अध्यक्ष ने 1 अक्टूबर, 2020 को केरल के त्रिवेंद्रम में दिव्यांग लोगों के लिए आयोजित चरखा वितरण कार्यक्रम का विडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उद्घाटन किया।

आयोग के अध्यक्ष ने चंगनाचेरी समाज सेवा समाज की नई मार्केटिंग वेबसाइट लॉन्च की

आयोग के अध्यक्ष ने 1 अक्टूबर, 2020 को पयन्नूर फ़िरखा ग्रामोदय खादी संघ, केरल के "ऑनलाइन मार्केटिंग वेबसाइट" का उद्घाटन किया।

प्रभावशाली 5 वर्ष के पूरा होने पर

आयोग के अध्यक्ष का अभिनंदन

श्री विनय कुमार सक्सेना को अक्टूबर 2015 में खादी और ग्रामोद्योग आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। 27 अक्टूबर, 2020 को अध्यक्ष के रूप में 5 महत्वपूर्ण वर्षों के पूरा होने पर उनके सम्मान में आयोग के केंद्रीय कार्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर केवीआईसी ने उनके सम्मान में एक स्मारिका जारी की, जिसमें अभिनंदन पत्र और एक एवी फिल्म समर्पित की, जिसमें उनके उल्लेखनीय योगदान का वर्णन किया गया, अध्यक्ष महोदय के नेतृत्व में संगठन की कार्य संस्कृति में एक बदलाव आया, जिसने अंततः खादी क्षेत्र को एक ऐसी स्थिति में खड़ा किया, जहां यह देश के विकास इंजन को आगे बढ़ा सकता है।

अपने अभिभाषण में आयोग के अध्यक्ष ने केवीआईसी टीम के लिए अपने दायित्वों को व्यक्त किया, ताकि उनके दर्शन को पूरा करने में मजबूत समर्थन के रूप में खड़ा हो सके। "हालांकि शुरुआत कठिन थी क्योंकि गांधीजी ने खादी और ग्रामोद्योग को बढ़ावा दिया, जिसे केवल खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने टिप्पणी की, ' 5 वर्ष की अवधि में केवीआईसी टीम ने इसे मिशन के रूप में लिया और इसे अच्छी तरह से आकार दिया। टीम की भावना उच्च है और अधिकारी हर काम को चुनौती के रूप में लेते हैं। इस भावना ने इसे सबसे महत्वपूर्ण संगठन बना दिया है।" माननीय प्रधान मंत्री के समर्थन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, गांधीजी के बाद, हमारे प्रधान मंत्री के समर्थन ने खादी के दृष्टिकोण को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया है, जो अन्यथा संभव नहीं था।

श्री सक्सेना ने केवीआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा और सभी कार्यालयों के अधिकारियों के भरपूर सहयोग और सकारात्मकता की सराहना की। आगे बोलते हुए उन्होंने सभी से समर्पण और निडर होकर काम करने

का आग्रह किया। उन्होंने दोहराया, "हमारे कार्यों से गरीबों को लाभ होगा और उन्हें अपनी रोजी-रोटी कमाने में मदद मिलेगी।"

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने अध्यक्ष महोदय के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जैसे कर्मठ अध्यक्ष के साथ काम करना हमारा सौभाग्य है, जिसकी दृढ़ता और स्मारकीय उपलब्धियों ने केवीआईसी को महान ऊंचाइयों पर पहुंचाया, जो पहले कभी नहीं था। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन ने केवीआईसी को जीवन का नया पटल दिया है। पाँच वर्षों की इस छोटी सी अवधि में श्री सक्सेना के दृष्टिकोण और शासन ने कई कार्यक्रमों की शुरुआत की, जिन्होंने केवीआईसी द्वारा रखी गई भूमिका को सकारात्मक रूप से बदल दिया और इसे एक नई दिशा दी।

अपने सक्षम मार्गदर्शन में, केवीआईसी ने कई मील के पत्थर हासिल किए हैं, जैसे खादी को न केवल राष्ट्रीय बल्कि विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त वस्त्र बनाना, हमारे कत्तिनों और बुनकरों के जीवन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए स्टील चरखे की स्थापना करके आम जनता के बीच चरखे की गरिमा को पुनः स्थापित करना। उन्होंने कहा कि विभिन्न शहरों में काष्ठ चरखे, उत्पादन में नवाचार, खादी उत्पादों की डिजिटल उपस्थिति को प्रस्तुत करते हुए, उनका नेतृत्व आगे महान चीजों का वादा करता है कि वह एक रोल मॉडल और कई लोगों के लिए प्रेरणा बने रहेंगे।

इससे पहले, आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (प्रशासन व मानव संसाधन) श्री जी.गुरुप्रसन्ना ने इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई. के. बारामतीकर ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

श्री संजीव रॉय, निदेशक प्रशासन ने कार्यक्रम का संचालन किया।

आयोग ने दिवाली के लिए उच्च गुणवत्ता वाला मसलिन फैब्रिक मास्क लॉन्च किया

स्नो व्हाइट और स्पार्कल रेड के आकर्षक संयोजन में खादी के नए फेस मास्क के साथ इस दिवाली की उत्सव की शुभकामनाएँ। दीपावली त्योहार को ध्यान में रखते हुए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने पश्चिम बंगाल के पारंपरिक खादी कारीगरों द्वारा बनाए गए शुद्ध मलमल कपड़े, एक उच्च गुणवत्ता और अति सूक्ष्म सूती कपड़े, से बने दो-स्तरीय "हैप्पी दिवाली" मुद्रित फेस मास्क का सीमित संस्करण लॉन्च किया है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग आने वाले दिनों में क्रिसमस और नए साल के विशेष मास्क भी लॉन्च करेगा। दो लेयर्स खादी कॉटन मास्क और तीन लेयर्स सिल्क मास्क की भारी प्रतिक्रिया के बाद मलमल फेस मास्क विकसित किया गया है। अब तक खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने छह महीने से भी कम समय में देश भर में 18 लाख से अधिक ऐसे खादी फेस मास्क बेचे हैं।दिवाली मसलिन खादी फेस मास्क की कीमत मात्र 75 रुपये है और यह दिल्ली में खादी आउटलेट्स और केवीआईसी के ई-पोर्टल www.khadiindia.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन बिक्री के लिए उपलब्ध है।

खादी फेस मास्क के अन्य वेरिएंट की तरह, मसलिन फेस मास्क भी त्वचा के अनुकूल, धोने योग्य, पुन: उपयोगी एवं बायोडिग्रेडेबल और किफायती हैं जो सभी जेबों पर सूट करते हैं यानी हर वर्ग के लोगों के लिए हैं। इस फेस मास्क में शुद्ध सफेद मलमल के कपड़े की दो परतें होती हैं। मास्क पर स्पार्कलिंग लाल पाइपिंग इसे अलग ही लुक प्रदान करती है क्योंकि इसे उत्सव के परिधानों के हिसाब से डिज़ाइन किया गया है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि दो लेयर्स के दिवाली फेस मास्क की कीमत बहुत कम है, लेकिन बड़ा महत्व है। त्योहारों को शैली में मनाते हुए लोगों को महामारी से बचाने के लिए केवीआईसी का यह एक और प्रयास है।

श्री सक्सेना ने कहा, "बीमारी के प्रसार से लोगों की रक्षा करने के अलावा, केवीआईसी लगातार अपने खादी मास्क को फैशनेबल बनाने के लिए काम कर रहा है। इन मसलिन फैब्रिक फेस मास्क ने हमारे खादी फेस मास्क की श्रृंखला में विविधता को जोड़ा है जिसमें कॉटन और सिल्क मास्क भी शामिल हैं। साथ ही, यह खादी कारीगरों के लिए अतिरिक्त रोजगार पैदा कर रहा है।

"इन फेस मास्क को बनाने के लिए ऐसे कपड़े को चुना गया है जो अंदर नमी की मात्रा को बनाए रखने में मदद करता है, जबकि हवा को गुजरने के लिए एक आसान मार्ग प्रदान करता है। इन मास्क को जो और खास बनाता है वह है हाथ से काता और हाथ से बुने हुए सूती कपड़ा जो त्वचा के अनुकूल बेहद मुलायम और लंबे समय तक इस्तेमाल के लिए आरामदायक होता है।

कोविड-19 से व्याप्त डर के बावजूद खादी इंडिया के कनॉट प्लेस स्थित प्रमुख विक्रय केन्द्र ने गांधी जयंती के अवसर पर 1.02 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की

खादी प्रेमियों की ऊंची भावना ने इस गांधी जयंती के अवसर पर कोविड-19 के डर को पीछे छोड़ दिया। कनॉट प्लेस स्थित दिल्ली के प्रमुख खादी इंडिया विक्रय केन्द्र ने गांधी जयंती के अवसर पर एक करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड बिक्री की।

2 अक्टूबर, 2020 को खादी की कुल मिलाकर 1,02,19,496 रुपये की बिक्री दर्ज हुई, जो कोरोना महामारी की मौजूदा स्थिति को देखते हुए बहुत अधिक है। पिछले साल 2 अक्टूबर को इस बिक्री केन्द्र से कुल 1.27 करोड़ रुपये की बिक्री हुई थी।

पूरे दिन में 1633 बिल बनाए गए और औसत बिक्री 6258 रुपये प्रति बिल रही। सुबह से ही खादी इंडिया बिक्री केन्द्र पर विभिन्न क्षेत्रों और आयुवर्ग के ग्राहक पंक्तिबद्ध खड़े होने शुरू हो गए थे। उल्लेखनीय है कि खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआइसी) ने महात्मा गांधी की 151वीं जयंती के अवसर पर अपने सभी उत्पादों पर 20 प्रतिशत की विशेष प्रथागत छूट देने की शुरुआत की है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की खादी खरीदने की लगातार अपील के कारण बड़े पैमाने पर खादी की बिक्री हुई है। इसके अलावा जनता में, विशेष रूप से युवाओं में खादी की बढ़ती हुई लोकप्रियता ने भी इसमें योगदान दिया है। कोरोना महामारी के बावजूद लोग अभी भी खादी खरीदने के लिए आ रहे हैं, यह माननीय प्रधानमंत्री की बार-बार की गई अपील का ही नतीजा है कि खादी एक घरेलू नाम बन गया है और खादी प्रेमियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उत्पादन में कई गुना बढ़ोतरी के बावजूद

(शेष पृष्ठ 31 पर)

आयोग के अध्यक्ष ने एसीबी कार्यालय, अहमदाबाद में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 29 अक्टूबर, 2020 को अहमदाबाद में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कार्यालय में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया।

बापू के सत्य, ईमानदारी और समानता के आदर्श, भारतीय लोकतंत्र और उसके संवैधानिक ढांचे के मार्गदर्शक सिद्धांत बने हुए हैं।

(पृष्ठ 8 से आगे.....)

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ने महाराष्ट्र में 100 कुम्हार परिवारों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किए

समुदाय को सशक्त बनाना और मिट्टी के बर्तनों की कला को पुनर्जीवित करना माननीय प्रधान मंत्री का सपना है।

कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत उन्नत उपकरणों के उचित प्रशिक्षण और वितरण के साथ, कुम्हारों की उत्पादकता और आय में कई गुना वृद्धि हुई है। इस योजना को महाराष्ट्र के अन्य दूरदराज के क्षेत्रों और अन्य राज्यों में लागू किया जाएगा।"

इस अवसर पर माननीय मंत्री ने कुछ कारीगरों से भी बातचीत की, जिन्होंने सरकारी सहायता प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील का उपयोग कर उत्पादन में वृद्धि के साथ, वे अब पहले की तुलना में 3-4 गुना अधिक कमा रहे हैं।

माननीय मंत्री के साथ वीडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि देश भर में अब तक 18,000 से अधिक इलेक्ट्रिक चाक वितरित किए गए हैं, जिससे समुदाय के लगभग 80,000 लोग लाभान्वित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत कुम्हारों की औसत आय लगभग 3000 रुपये प्रति माह से बढ़कर लगभग 10,000 रुपये प्रति माह हो गई है।

उन्होंने कहा, "देश के हर कुम्हार को सशक्त बनाना इस कार्यक्रम का एकमात्र उद्देश्य है और केवीआईसी इस लक्ष्य को प्राप्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।"

आयोग में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया

सतर्कता जागरूकता सप्ताह -2020 की शुरुआत इस साल 2 अक्टूबर को आयोग के केंद्रीय कार्यालय और पूरे देश में स्थित राज्य व मण्डलीय कार्यालयों से हुई।

सतर्कता जागरूकता की प्रतिज्ञा आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा और मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. संघमित्रा द्वारा संयुक्त रुप से दिलायी गयी।

इस सप्ताह को 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2020 तक "सतर्क भारत, समृद्ध भारत" थीम पर मनाया गया। आयोग में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए इस अवधि के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गये।

आयोग के केंद्रीय कार्यालय में कोविड-19 जागरूकता प्रतिज्ञा ली गयी

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने 13 अक्टूबर 2020 को कोविड-19 के खिलाफ स्वच्छता और अन्य सुरक्षात्मक मानकों को अपनाने की शपथ दिलाई, जिसके बाद आयोग के सभी राज्य और मंडलीय कार्यालयों में इन सुरक्षा उपाय अपनाने की शपथ ली गई।

(पृष्ठ 12 से आगे)

महात्मा गांधी के 150 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की झलक

आयोग के अध्यक्ष ने 1 अक्टूबर, 2020 को वाराणसी के मंगलपुर, परजनपुर में गुड़ बनाने की इकाई का उद्घाटन किया।

आयोग के अध्यक्ष ने 1 अक्टूबर, 2020 को पयन्नूर फ़िरखा ग्रामोदय खादी संघ, केरल के "डिज़ाइन क्लिनिक" का उद्घाटन किया

मऊ, म. प्र. में नए मॉडल चरखा वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन।

पीएमईजीपी के तहत एक नमकीन बनाने की इकाई का उद्घाटन 1 अक्टूबर, 2020 को मध्य प्रदेश के देवास में आयोग के अध्यक्ष द्वारा किया गया।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने महामाया खादी आश्रम, बिलासपुर के खादी इण्डिया, खादी ग्रामोद्योग भवन का उद्घाटन किया।

लखीमपुर खीरी में ब्यूटी पार्लर का उद्घाटन।

महात्मा गांधी के 150 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की झलक

गांधी जयंती के अवसर पर आयोग ने जम्मू-कश्मीर में रोज़गार सृजन गतिविधियों की शुरुआत की

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 2 अक्तूबर, 2020 को महात्मा गांधी की 151 वीं जयंती के अवसर पर जम्मू और कश्मीर में कई रोजगार सृजन गतिविधियों की शुरुआत की । कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने बारामूला में 100 कुम्हार परिवारों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक का वितरण किया, साथ ही गांदरबल और पुलवामा जिलों में क्रिवल और सोज़नी कढ़ाई में कारीगरों के प्रशिक्षण का उद्घाटन किया।

उन्होंने जम्मू और कश्मीर के बारामूला जिले में 'विलो' कार्य में एक लोकप्रिय स्थानीय कला के कारीगरों के लिए प्रशिक्षण भी शुरू किया गया।

आयोग द्वारा 151 वीं गांधी जयंती मनाने के लिए देश भर में आयोजित 150 मेगा आयोजन के गतिविधियाँ का हिस्सा हैं। इन गतिविधियों से राज्य में 500 से अधिक लोगों के लिए आजीविका का सृजन होने की उम्मीद है।

आयोग के अध्यक्ष ने स्थानीय केवीआईसी के अधिकारियों को जम्मू कश्मीर में कढ़ाई कार्य और पेपर मैक बनाने के

लिए व कश्मीरी हस्तनिर्मित कागज उत्पाद बनाने की प्रक्रिया शुरू करने हेतु दो स्फूर्ति क्लस्टर की स्थापना करने का निर्देश दिया । उन्होंने जम्मू-कश्मीर के कारीगरों की सराहना करते हुए कहा कि उनके पास मिट्टी के बर्तनों सहित बहुत ही अनोखे उत्पाद बनाने की क्षमता और प्रतिभा है।

श्री सक्सेना ने कहा कि गांधीजी ने हमेशा खादी के माध्यम से कश्मीरी लोगों को सशक्त बनाने पर जोर दिया था। हमारे माननीय प्रधान मंत्री ने भी कश्मीर को अपने दिल में जगह दी है और केवीआईसी राज्य में स्थायी रोजगार के अवसरों का सृजन करके प्रधानमंत्री के इस सपने को पूरा करने के लिए कार्य कर रहा है।

कश्मीर के कई कला रूपों जैसे कि क्रिवल और सोज़नी कढ़ाई, पश्मीना शॉल, पेपर मैक और इसके कुम्हारी बर्तनों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। कारीगरों को उचित प्रशिक्षण प्रदान करके, उन्नत उपकरण और मार्केटिंग प्लेटफॉर्म प्रदान कर उनकी उत्पादकता को बढ़ा कर निश्चित रूप से उन्हें आत्मनिर्भर बना सकते हैं।"

इस अवसर पर उपस्थित कुम्हार सहित कई कारीगरों ने केवीआईसी के अध्यक्ष के साथ बातचीत की और उन्हें बेहतर आजीविका अर्जन हेतु आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

केवीआईसी द्वारा एक कुम्हार, जिसे विद्युत चालित कुम्हारी चाक प्रदान किया गया था, ने कहा कि इन उपकरणों का उपयोग करने से अब उनका काम आसान हो जाएगा और इससे उनके दैनिक उत्पादन और उनकी आय में भी काफी वृद्धि होगी।

महात्मा गांधी के 150 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की झलक

मऊ, म.प्र. में खादी सुधार विकास कार्यक्रम (केआरडीपी) के तहत न्यू मॉडल चरखा (एनएमसी) का वितरण कार्यक्रम।

गोरखपुर, यूपी में पीएमईजीपी कार्यक्रम के तहत रितु इंडस्ट्रीज का उद्घाटन

श्री गांधी आश्रम उत्पत्ति केंद्र, वाराणसी में सोलर चरखा इकाई का उद्घाटन।

पालघर में तलुजा भवानी खादी सेवा संस्थान, विरार और श्रीमती अश्वनी पाबले को खादी जयंती के अवसर पर खादी मार्क पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम, अम्बेडकर नगर, उ.प्र में खादी बिकी कार्यक्रम का उद्घाटन।

महात्मा गांधी के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रमों की झलक

ग्राम स्वावलंबी विद्यालय, आरएमजी, अयोध्या में केआरडीपी कार्यक्रम के तहत खादी रेडिमेड गारमेन्ट वर्कशेड का उद्घाटन

ग्राम स्वावलंबी विद्यालय में केआरडीपी कार्यक्रम के तहत सामान्य सुविधा केन्द्र का उद्घाटन

बस्तर जिला ग्रामोद्योग संघ, जगदलपुर में चरखा वितरण कार्यक्रम

तरुण ग्राम विकास समिति के खादी ग्रामोद्योग भवन का बर्रा, कानपुर में उद्घाटन

लखनऊ के खादी ग्रामोद्योग भवन के ग्राम स्वावलंबी विद्यालय में खादी की बिक्री का उद्घाटन।

तरुण ग्राम विकास समिति, देव नगर में केआरडीपी कार्यक्रम के तहत खादी रेडिमेड गारमेन्ट वर्कशेड का उद्घाटन

अयोध्या में डिटर्जेंट पाउडर इकाई का उद्घाटन

महात्मा गांधी के 150 साल पूरे होने पर उत्तर-पूर्व क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों की झलक

पूरे देश में 150 खादी गतिविधियों के शुभारंभ के तहत उत्तर पूर्व के असम राज्य में तामुलपुर आंचलिक ग्रामदान संघ, कुमारिकाता, बस्का में केआरडीपी कार्यक्रम के तहत सामान्य सुविधा केन्द्र का उद्घाटन

उत्तर पूर्व के असम राज्य के कामरुप जिले में बिजोयनगर में, केआरडीपी कार्यक्रम के तहत खादी एम्पोरियम का उद्घाटन

धामधमा, जिला नलबरी, असम में केआरडीपी कार्यक्रम के तहत खादी बिक्री एम्पोरियम का उद्घाटन

महात्मा गांधी के 150 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की झलक

गरचुक, गुवाहाटी में पीएमईजीपी इकाई का उद्घाटन।

बारा बाजार, नागांव में पीएमईजीपी इकाई का उद्घाटन

मधुमक्खी के बक्से और उपकरण किट का वितरण:
रूपही बील, मारीगांव

कुम्हारी चाक कला का प्रशिक्षण: फूलबाड़ी, वेस्ट गारो हिल्स, मेघालय।

रानीगांव, पश्चिम त्रिपुरा, अगरतला में पीएमईजीपी इकाई का उद्घाटन।

बिक्री आउटलेट का उद्घाटन: इम्फाल पश्चिम, मणिपुर में

बिक्री आउटलेट: इंफाल, पश्चिम मणिपुर।

महात्मा गांधी के 150 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की झलक

लखनऊ में पीएमईजीपी इकाई-अजुनी ऑटोमोबाइल सर्विस सेंटर का उद्घाटन

बाराबंकी में पीएमईजीपी इकाई-सांवरिया इंटरप्राइजेज का उद्घाटन

मलिहाबाद, लखनऊ में पीएमईजीपी इकाई -अनुष्का सीमेन्ट ब्लाकिंग का उद्घाटन

सण्डीला, हरदोई में पीएमईजीपी इकाई-एस. के. उद्योग का उद्घाटन

गुजरात में विद्युत चालित कुम्हारी चाक का वितरण

श्री भूपेन्द्र सिंह चुडासमा, शिक्षा, न्याय और कानून मंत्री, गुजरात सरकार ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना और संसद सदस्य श्री देवू सिंह चौहानके उपस्थिति में वीडिओ कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रजापति समाज वाडी, ढोलका में 11 अक्तूबर, 2020 को कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत 80 कुम्हार परिवारों को इलेक्ट्रिक चाक वितरित किए ।

यह कार्यक्रम राज्य कार्यालय, गुजरात द्वारा आयोजित किया गया | आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना इस कार्यक्रम में वीडिओ कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थिति थे।

आयोग के अध्यक्ष द्वारा कोविड लॉकडाउन के उपरान्त पहली खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने लखनऊ में 16 अक्टूबर, 2020 को पोस्ट कोविड लॉकडाउन के बाद पहली खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

प्रदर्शनी में 16 राज्यों की खादी ग्रामोद्योग संस्थाओं व पीएमईजीपी इकाईयों ने भाग लिया। खादी कारीगरों ने प्रदर्शन के माध्यम से दिखाया है कि

आत्मनिर्भरता वित्तीय संकट के खिलाफ एक बड़ा सार्मथ्य है। समय के साथ और अधिक दृढ़ता से आगे बढ़ना है और भारत को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प पूरा करना है।

(पृष्ठ 4 से आगे)

आयोग ने केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में चरखे का अनावरण.

विचारधारा के आधार पर लोगों को रोजगार देने, लोगों में आत्मनिर्भरता और आत्मानुशासन पैदा कर भारत के लिए एक मजबूत ग्रामीण सामुदायिक भावना बनाने के लिए जमीनी स्तर पर अथक रूप से काम किया जा रहा है।

"चरखा जो राष्ट्र को गांधीजी का उपहार है, सत्य और अहिंसा का एक साधन है और हमारे कारीगरों के लिए आर्थिक स्वतंत्रता का प्रतीक है। गांधीवादी विचारधारा का पालन करते हुए गांधीजी चरखे की स्थापना खादी और ग्रामोद्योग आयोग के लिए गर्व की बात है, आयोग का उदभव भी रोजगार प्रदान करने और लोगों में मजबूत ग्रामीण सामुदायिक व आत्मनिर्भर भारत की भावना के निर्माण के उद्देश्य पर आधारित है। उन्होने कहा कि केवीआईसी सफलता के नए मार्ग प्रशस्त करने पर काम कर रहा है।

इस पुण्य अवसर पर, केवीआईसी देश भर में अपने विभागीय बिक्री आउटलेट के माध्यम से बेचे जाने वाले सभी खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों (राष्ट्रीय ध्वज को छोड़कर) पर सीमित अवधि के लिए 20% की छूट दे रहा है।

आज के दिन खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा व्यापक श्रमदान गतिविधि के भाग के रूप में अपने कार्यालयी परिसरों को साफ रखने हेतु सभी को प्रेरित करने के लिए स्वच्छ भारत अभियान भी आयोजित किया गया।

आयोग के कार्यालयी परिसरों में स्वच्छता अभियान के तहत व्यापक श्रमदान गतिविधि के रूप में स्वच्छ अभियान चलाया गया जिसमें सभी पदाधिकारियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

◆◆

राज्य/मण्डलीय कार्यालयों में गांधी जयंती समारोह का आयोजन

राज्य कार्यालय, चेन्नई ने 02 अक्टूबर, 2020 को कार्यालय भवन के सामने पौधारोपण अभियान चलाया।

कुड्डालोर सर्वोदय संघ -खादी संस्था द्वारा स्वच्छ भारत मिशन की गतिविधियाँ संचालित की गयी।

आयोग के राज्य कार्यालय,चेन्नई में स्वच्छता अभियान के तहत "श्रमदान" गतिविधि आयोजित की गई।

खादी संस्था- पल्लदम सर्वोदय संघ द्वारा संचालित स्वच्छता अभियान।

राज्य कार्यालय, देहरादून

राज्य कार्यालय, महाराष्ट्र

राज्य कार्यालय, अम्बाला

केन्द्रीय पूनी संयंत्र कार्यालय, चित्रदुर्ग

मण्डलीय कार्यालय, वाराणसी

राज्य कार्यालय, भोपाल

मण्डलीय कार्यालय, विशाखापटनम

राज्य कार्यालय, अहमदाबाद

आयोग के अध्यक्ष द्वारा प्रयागराज में 300 मधुमक्खी बॉक्स वितरित

आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 3 अक्टूबर, 2020 को आत्मनिर्भर भारत अभियान के अर्न्तगत प्रयागराज जिले में हनी मिशन कार्यक्रम के तहत 30 लाभार्थियों के बीच 300 मधुमक्खी बॉक्स वितरित किये।

लखनऊ में राज्य स्तरीय प्रदर्शनी आयोजित

आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने राज्य कार्यालय, लखनऊ द्वारा विपणन संर्वधन कार्यक्रम के तहत 26 अक्टूबर 20 से 09 नवंबर 20 तक लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया।

आयोग के अध्यक्ष द्वारा प्रशिक्षित कारीगरों को प्रमाण पत्र के साथ 60 विद्युत कुम्हारी चाक और 10 ब्लुंगर मशीन वितरित

आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 3 अक्टूबर को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से महाराष्ट्र के जलगाँव जिले के अवाहने गाँव में कुम्हारी कला के 60 प्रशिक्षित कारीगरों को प्रमाण पत्र के साथ 60 विद्युत कुम्हारी चाक और 10 ब्लुंगर मशीन वितरित किये और कुम्हारी कारीगरों को संबोधित किया।

कार्यक्रम का आयोजन अखिल महाराष्ट्र कुंभार समाज विकास संस्थान, ठाणे के सह-संचालन में आयोग के राज्य कार्यालय, मुंबई द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम में आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पश्चिम क्षेत्र और राज्य निदेशक, महाराष्ट्र ने भी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।

मधुमक्खी बक्सों और मधुमक्खी छत्तों का वितरण

हनी मिशन कार्यक्रम के तहत महाबलेश्वर में 40 मधुमक्खी बक्से और 702 छत्ते स्टैंडों के वितरण से 67 मधुमक्खी पालकों को लाभान्वित किया गया।

श्री सुबोध अभ्यंकर, क्षेत्रीय अधिकारी, नाबार्ड की उपस्थिति में इस कार्यक्रम में श्री डी. आर. पाटिल निदेशक, नारायणकर, सीडीई एवं मधुमक्खी पालन निदेशालय के क्षेत्रीय कर्मचारी श्री कुंभारे, श्री रावतराव, श्री शिरसाट आदि मौजूद थे।

सांगली में विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित

आयोग के राज्य कार्यालय, महाराष्ट्र ने 30 अक्टूबर, 2020 को, सांगली जिले के पलूस गांव में 20 कुम्हारों को 20 विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किए।

अमेठी में कुम्हारी कला में प्रशिक्षित कारीगरों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित

आयोग के राज्य कार्यालय, लखनऊ द्वारा कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत 10 दिवसीय कुम्हारी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 19 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2020 तक, श्री गांधी आश्रम, पारसवां, अमेठी में किया गया। प्रशिक्षण के उपरान्त कुम्हारी कला के प्रशिक्षित कारीगरों को प्रमाण पत्र के साथ विद्युत कुम्हारी चाक वितरित किये गये।

नीरा पर जागरूकता कार्यक्रम

हिल कॉलेज के कृषि विज्ञान केंद्र, कोसबाद में नीरा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

(पृष्ठ 16 से आगे)

कोविड-19 से व्याप्त डर के बावजूद खादी इंडिया के कनॉट प्लेस स्थित प्रमुख विक्रय केन्द्र ने गांधी जयंती के अवसर पर 1.02 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की

केवीआईसी ने अपनी उत्पाद श्रृंखला की उच्च गुणवत्ता को सुनिश्चित किया है और अपने उपभोक्ता आधार को भी बरकरार रखा है। श्री सक्सेना ने कहा कि यद्यपि इस साल बिक्री के आंकड़े महामारी के कारण पिछले साले के मुकाबले कुछ कम रहे, फिर भी एक दिन में एक करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री का आंकड़ा काफी संतोषजनक था।

इस वर्ष खादी की अधिक बिक्री का यह आंकड़ा काफी महत्व रखता है। जब कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान लगभग सभी गतिविधियां बंद थीं, तब भी केवीआईसी ने देश में अपनी विविध गतिविधियां जारी रखीं। इन गतिविधियों में फेस मास्क और व्यक्तिगत स्वच्छता उत्पाद जैसे हैंडवाश, हैंड सेनिटाइज़र्स के विनिर्माण के अलावा कपड़ों तथा ग्रामोद्योग उत्पादों की बड़ी श्रृंखला भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, बिहार के कुम्हार समुदाय के "आदर्श" क्यों हैं?

दो वर्ष पूर्व, किसी ने भी यह नहीं सोचा था कि बिहार में समाज के वंचित कुम्हार समुदाय के अच्छे दिन आएगें। हालाँकि, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने बिहार में कुम्हार समुदाय को सशक्त बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम "कुम्हार सशक्तिकरण योजना" की शुरूआत की ।

यह आधुनिक तकनीक के माध्यम से कुम्हार समुदाय को सशक्त बनाने और देश में मिट्टी के बर्तनों को बनाने की लुप्त होती कुम्हारी कला को पुनर्जीवित करने का सपना किसी और नहीं बल्कि माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी था।

कार्यक्रम के ऐसे ही एक लाभार्थी जयशंकर पंडित, जो बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के कुम्हार हैं, वे पूर्व में अपने पिता के साथ पत्थर के चाक पर काम करते थे। हालांकि, केवीआईसी से एक इलेक्ट्रिक कुम्हारी चाक मिलने के पश्चात उनके जीवन में काफी परिवर्तन आया। उन्हें गर्व है कि नया चाक मिलने से उनका उत्पादन बड़ा है जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हुई है और इसके लिए उन्होंने सपरिवार प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की, जिन्होंने केवीआईसी की कुम्हार सशक्तिकरण योजना के लिए लोगों को प्रेरित किया।

जयशंकर अब माननीय प्रधान मंत्री की मूर्तियाँ बना रहे हैं और इन मूर्तियों की बिहार और पश्चिम बंगाल में बिक्री कर सम्मानजनक आजीविका भी कमा रहे हैं। जबकि जयशंकर ने बिहार में कुम्हार समुदाय को सशक्त बनाने के लिए माननीय प्रधान मंत्री को धन्यवाद दिया, उन्होंने कहा कि उनका परिवार अब एक स्थायी आजीविका का अर्जन कर सकता है। उन्होंने आगे कहा कि यह माननीय प्रधान मंत्री की लोकप्रियता थी जिसने उन्हें मूर्तियाँ बनाने के लिए भी प्रेरित किया। "मोदी जी की मूर्तियों की अच्छी संख्या में बिक्री हो रही है और मुझे उनकी अच्छी कीमत मिल रही हैं। अब तक मैंने 75-80 ऐसी मूर्तियों को 800 रुपये प्रति पीस के दर से बिक्री की है।

उन्होंने आगे बताया कि "मोदी जी द्वारा चीनी मिट्टी की वस्तुओं पर प्रतिबंध और त्योहारों के मौसम को ध्यान में रखते हुए, मैं अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए देवताओं, दुर्गा, लक्ष्मी और गणेश की मूर्तियों और विभिन्न प्रकार के सजावटी सामान बना रहा हूं।" उन्होंने विशेष रूप से बिहार के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर मिट्टी के बर्तनों के उपयोग को अनिवार्य करने और उनके लिए बेहतर विपणन मार्ग प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

इसी तरह की भावनाओं को बिहार के विभिन्न हिस्सों में अन्य कुम्हारों द्वारा व्यक्त किया गया था जो इस योजना से लाभान्वित हुए।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा, "समाज के वंचित कुम्हार समुदाय का सशक्तिकरण माननीय प्रधान मंत्री का सपना है और जयशंकर जैसे

कुम्हारों को देखकर यह हर्ष हो रहा है कि वे प्रधानमंत्री जी का इतने अच्छे तरीके से आभार व्यक्त कर रहे हैं।"

" कुम्हार सशक्तिकरण योजना का एकमात्र उद्देश्य कुम्हारी कारीगरों के उत्पादन और आय में वृद्धि कर समाज की मुख्यधारा से उनको जोड़ना है ।" श्री सक्सेना ने कहा कि आदर्श आचार संहिता के कारण कार्यक्रम को फिलहाल बिहार में निलंबित कर दिया गया है, लेकिन चुनावों के तुरंत बाद मिशन को पुनः शुरू कर दिया जाएगा और बिहार के प्रत्येक भाग में व्यापक विस्तार किया जाएगा।

केवल दो वर्षों में केवीआईसी ने 500 कुम्हार परिवारों को 500 इलेक्ट्रिक कुम्हारी चाक का वितरण किया है और बिहार में इस कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 20,000 लोगों को सशक्त बनाया है, जिनके बारे में अनुमान है कि कुम्हारों की आबादी लगभग 10 लाख है। केवीआईसी ने रोहतास, भोजपुर, नवादा, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, पटना, पूर्व और पश्चिम चंपारण, खगड़िया और सीतामढ़ी जैसे जिलों में कुम्हारों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किए हैं।

जयशंकर ने आगे कहा बिजली के कुम्हारी चाक ने मिट्टी के बर्तनों को बनाने का कार्य काफी आसान बना दिया है। पुराने पारंपरिक चाकों पर काम करने के लिए बहुत सारे शारीरिक श्रम की आवश्यकता होती है, लेकिन बिजली के चाक के माध्यम से कुम्हारी कार्य करने से कुम्हारों की निरसत्ता दूर हो गई है। इससे पूर्व, मैं मुश्किल से एक दिन में 100 से 150 तक दीये या कुल्हड़ बना पाता था, लेकिन बिजली की चाक पर, मैं प्रतिदिन 500 से 600 दीये और कुल्हड़ बना रहा हूं।"

सोशल मीडिया एवं ई-पेपर

75 कतनियों में चर्खे का वितरण

मधुबन/मऊ। सरकार की तरफ से खादी को बढ़ावा देने के लिए गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर खादी ग्रामोद्योग विकास मंडल भिसहां में आरडीओपी योजना के तहत 75 कतनियों को आधुनिक चर्खों का वितरण किया गया।

इस मौके पर खादी ग्रामोद्योग आयोग मुंबई के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि सरकार खादी को बढ़ावा देने के साथ ही ग्राम स्तर पर रोजगार सुलभ कराते हुए कतनियों व इनके परिवार को आत्मनिर्भर बनाने में जुटी है। इसी क्रम में 150वीं गांधी जयंती के अवसर पर सरकार देश भर में 150 गतिविधियों को संचालित करते हुए गांधी जी के सपने को पूर्ण रूप देने में लगी है। इस अवसर पर रामबदन, मनीष सिंह, बलवंत सिंह, राधिका, सुनिता आदि रहे। संवाद

गांव-गांव लगेंगे लघु उद्योग

अगरबत्ती, मधुमक्खी पालन और मिट्टी के बर्तन निर्माण से होगी शुरुआत

गांधी विचार शपथ कार्यक्रम का आयोजन

धौलपुर @ पत्रिका. गांधी विचार शपथ कार्यक्रम की श्रृंखला में वेबीनार का आयोजन अटल सेवा केन्द्र पर किया गया। इसमें केन्द्र व राज्य सरकार की खादी और ग्रामोद्योग के माध्यम से बेरोजगारी की समस्या का उन्मूलन की जानकारी दी गई। वेबीनार का आयोजन गांधी जयन्ती के अवसर पर 2 अक्टूबर से 6 अक्टूबर तक किया गया। वेबीनार में खादी ग्रामोद्योग आयोग जयपुर के निदेशक बीएल मीना ने टेराकोटा, अगरबत्ती निर्माण, जूट कार्विंग, प्रेम पोटरी, लकड़ी के खिलौने निर्माण एवं हाथ कागज के बारे स्मृति कलस्टर, केआरडीपी तथा पीएमईजीपी योजना के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला साथ ही गोबर से पेन्ट बनाने व कतरों से हाथ कागज बनाने के तकनीकी से भी जानकारी दी। वेबीनार में दिनेश चन्द सोनी, सहायक निदेशक कार्यालय, निदेशक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, जयपुर कैलाश चन्द मीना, सचिव मण्डी समिति धौलपुर द्वारा राजस्थान कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति-2019, डीके अग्रवाल क्षेत्रीय प्रबन्धक रीको लि. द्वारा भू-खण्ड आवंटन की प्रक्रिया के सम्बन्ध में जानकारी, नाहर सिंह आरसेटी पीएनबी धूलकोट धौलपुर, जितेन्द्र विश्वकर्मा राजीविका धौलपुर, विमल प्रताप सिंह श्रम निरीक्षक धौलपुर द्वारा प्रवासी श्रमिकों को रोजगार से जोड़ने तथा अनिल जिला प्रबन्धक आरएसएलडीसी धौलपुर द्वारा अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित योजना एवं संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी से अवगत कराया गया।

गांधी जयंती पर कत्तिनों को दिया गया चरखा

गोरखपुर (एसएनबी)। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की 150 वीं जयन्ती वर्ष के समापन अवसर पर मऊ जिले के खादी ग्रामोद्योग विकास मण्डल, भिसहाँ, तिनहरी, परसूपुर तथा क्षेत्रीय ग्रामोद्योग एवं शिक्षण सेवा संस्थान, सिकरौर, ललितपुर, लुदुही खादी संस्थाओं में केआरडीपी योजनान्तर्गत 75 कत्तिनों को एनएमसी चरखों का वितरण किया गया। वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन खादी एवं ग्रामोद्योग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना और ग्रामोद्योग आयोग, मुम्बई के द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग से किया गया। अध्यक्ष ने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से इस क्षेत्र के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत ओम मिनरल वाटर तथा रितु इण्डस्ट्रीज गीडा, गोरखपुर स्थित इकाई का भी उद्घाटन किया। इकाई में वर्तमान समय में 15 से 18 लोगों को रोजगार मिला है। इकाई के प्रोप्राइटर सच्चिन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि इकाई में उत्पादन कार्य अभी प्रारम्भिक स्टेज में है। इकाई द्वारा उत्पादित माल पूर्वांचल के लगभग 15 जिलों में सप्लाई किया जा रहा है। इकाई के पूर्ण क्षमता के साथ कार्य करने पर उप्र में माल सप्लाई का लक्ष्य रखा गया है।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जाना गांधी के चरखे का हाल

जागरण संवाददाता, घोसी (मऊ) : खादी ग्रामोद्योग आयोग मुंबई के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना ने राष्ट्रपिता के चरखे को सम्मान दिया है।

उन्होंने स्थानीय क्षेत्र के सिकरौर स्थित क्षेत्रीय ग्रामोद्योग एवं शिक्षण सेवा संस्थान में विशेष चरखा पर सूत काटने का प्रशिक्षण ले रही महिलाओं से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संवाद किया। उन्होंने खादी विभाग द्वारा महिलाओं को उनके गांव में घर पर ही रोजगार उपलब्ध कराए जाने का आश्वासन दिया। कहा कि खादी विभाग नारी सशक्तिकरण के प्रति बेहद गंभीर है।

उन्होंने प्रशिक्षण ले रही हरेक महिला से उसकी समस्याएं जाना और अन्य महिलाओं को भी प्रशिक्षण लेने हेतु प्रेरित करने को कहा। वीडियो कांफ्रेंसिंग में केवीआइसी गोरखपुर के खादी प्रभारी मंत्री रमानंद यादव एवं प्रशिक्षण संस्था मंत्री सुरेश यादव भी शामिल रहे।

वितरित किया चरखा

गोरखपुर | निज संवाददाता

महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर खादी ग्रामोद्योग आयोग की ओर से 75 कत्तिन बुनकरों में चरखे का वितरण किया गया। आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए इसका उद्घाटन किया।

उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत शुरू की गई गोरखपुर और आजमगढ़ की दो इकाइयों का भी उद्घाटन किया। आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि इस परियोजना के [illegible] से गोरखपुर व आजमगढ़ क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

गांधी-शास्त्री की जयंती मनाई

गोरखपुर। विष्णु मंदिर संघ की ओर से शुक्रवार को गांधी-शास्त्री जयंती मनाई गई। नगर प्रांत टाउनहाल स्थित गांधी प्रतिमा और शास्त्री चौक स्थित शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। अध्यक्ष अनूप कुमार श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष कमला कांत व प्रेम प्रकाश, संजय आदि मौजूद थे।

सोशल मीडिया एवं ई-पेपर

STATE TIMES • Sunday • October 11, 2020

KVIC starts 11 more training programmes in J&K

KVIC officials inspecting craft works of trainees.

■ STATE TIMES NEWS

SRINAGAR: Continuing with its endeavour to provide trainings of various trade at doorsteps of far flung areas of J&K Union Territory, Khadi and Village Industries Commission (KVIC), Ministry of MSME, Government of India on Saturday started 11 training programmes on various trades both and Kashmir and Jammu regions of UT.

The Principal/Assistant Director PMTC Pampore said that in this connection Training Centre namely Production Cum Marketing Cum Training Centre (PMTC) of KVIC has already started 25 training courses on various trades in UT and continuing with that today 11 more training programmes were started in Pulwama District of south Kashmir, Baramula and Kupwara Districts of north Kashmir, besides Samba and Kathua Districts of Jammu region. These trainings include computer training, shawl, aari work, crewel embroidery, tila embroidery etc. Most of the trainees are young girls who want to earn livelihood at their doorsteps.

These training programmes were inaugurated by State Director S P Khandelwal and Principal PMTC Pampore Anil Kumar Sharma through video conferencing.

Addressing the trainees, Khandelwal said that not only we will provide trainings at doorsteps, we will provide handholding support under PMEGP scheme to these trainees. On the occasion while giving details about the campaign, Anil Kumar Sharma Principal/Assistant Director, PMTC, KVIC Pampore stated that as per the instructions of State Director KVIC J&K, this office have started mission to train more than 1,000 persons of Kashmir Region in those traditional trades which are dying and needs revival. He said that State Director desired to revive these traditional trades so that the candidates may be benefited and they can earn their livelihood at their homes. Khandelwal, who addressed the trainees via video conferencing from Jammu, stated that KVIC has many schemes through which we can provide benefits to the people.

NZCC, NDS organise...

KVIC started 11 more training programmes in J&K

SRINAGAR: Continuing with its endeavour to provide trainings of various trade at doorsteps of far flung areas of J&K Union Territory, Khadi and Village Industries Commission, Ministry of MSME, Government of India Saturday started 11 training programmes on various trades both and Kashmir and Jammu regions of UT.

The Principal/Assistant Director PMTC Pampore said that in this connection Training Centre namely Production Cum Marketing Cum Training Centre (PMTC) of KVIC has already started 25 training courses on various trades in UT and continuing with that today 11 more training programmes were started in Pulwama District of south Kashmir, Baramulla and Kupwara Districts of north Kashmir, besides Samba and Kathua Districts of Jammu region. These trainings include computer training, shawl, aari work, crewel embroidery, tila embroidery etc. Most of the trainees are young girls who want to earn livelihood at their doorsteps.

The training programmes were inaugurated by State ... scheme to these trainees.

On the occasion while giving details about the campaign Shri Anil Kumar Sharma Principal/Assistant Director, PMTC, KVIC Pampore stated that as per the instructions of State Director KVIC J&K and other Higher Officers of KVIC, this office have started mission to train more than 1000 persons of Kashmir Region in these traditional trades which are dying and needs revival.

He said that State Director desired to revive these traditional trades so that the candidates may be benefited and they can earn their livelihood at their homes.

State Director, KVIC, J&K Shri S. P. Khandelwal who addressed the trainees via video conferencing from ...

Agency for Prime Minister's Employment Generation programme (PMEGP) under which financial assistance with 35% subsidy is provided and after imparting trainings KVIC will provide handhold support to the trainees under PMEGP.

They assured that mission of KVIC will continue in the future also.

Sad Demise

With profound grief and sorrow, we inform the sad

मिट्टी की उत्तम डिजाइन की वस्तुएं तैयार कर आय बढ़ाए कुंभार समाज

■ केंद्रीय मंत्री गडकरी की उपस्थिति में मिट्टी कला प्रशिक्षण और चक्र वितरण

नागपुर। मिट्टी की आकर्षक डिजाइन की वस्तुओं की भारी मांग है। मिट्टी की परंपरागत वस्तु तैयार करते समय उसका मूल्यवर्धन करते हुए मिट्टी की उत्तम डिझाईन की वस्तु तैयार कर कुंभार समाज अपनी आय बढ़ाए और विकास करें। ऐसा प्रतिपादन केंद्रीय भूतल, परिवहन व एमएसएमई मंत्री नितीन गडकरी ने किया। एमएसएमई व खादी ग्रामोद्योग आयोग की ओर से कुंभार समाज के पुरुष व महिलाओं को प्रशिक्षण व स्वचलित पहिया वितरण कार्यक्रम में गडकरी मार्गदर्शन कर रहे थे। एमएसएमई व खादी ग्रामोद्योग आयोग की कुंभार समाज सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत पहिया व पगमिल वितरण किया जा रहा है। खादी ग्रामोद्योग आयोग और भारत माता लोकसेवा प्रतिष्ठान की ओर से कुंभार प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय मंत्री गडकरी की पहल और निर्देशानुसार इस प्रशिक्षण वर्ग में 40 कुंभारों को 40 पहिये और 10 कुंभारों के एक गट को 1 प्लंजर 10 प्रतिशत राशि के भुगतान के साथ तथा शेष राशि अनुदान स्वरूप में खादी ग्रामोद्योग व एमएसएमई मंत्रालय की ओर से दी जानेवाली है। उल्लेखनीय है कि गांधी जयंती व लाल बहादुर शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में सावनेर तहसील के खापा में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से गडकरी के हाथों उद्घाटन किया गया। 24 सितंबर को कुही तहसील के चापेगडी में कुंभार समाज प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। खापा व सावनेर में भी प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोनों प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रत्येकी 40 से अधिक कुंभार समाज के युवक-युवती व महिलाएं शामिल हुए थे।

के.वी.आई.सी. ने जम्मू-कश्मीर में 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए

श्रीनगर, 10 अक्तूबर (अरीज): खादी और ग्रामोद्योग आयोग (के.वी.आई.सी.) ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर में 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए।

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्घाटन राज्य निदेशक एस.पी. खंडेलवाल और प्रमुख पी.एम.टी.सी. पाम्पोर अनिल कुमार शर्मा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया। प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए राज्य निदेशक एस.पी. खंडेलवाल ने कहा कि हम न केवल प्रशिक्षण प्रदान करेंगे बल्कि इन प्रशिक्षुओं को पी.एम.ई.जी.पी. योजना के तहत सहायता भी प्रदान करेंगे।

प्रशिक्षण के दौरान का चित्र। *(अरीज)*

अभियान के बारे में बात करते हुए अनिल कुमार शर्मा प्रमुख पी.एम.टी.सी. पाम्पोर ने कहा कि राज्य निदेशक के.वी.आई.सी. जे. एंड के. और के.वी.आई.सी. के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश के अनुसार इस कार्यालय ने कश्मीर के 1000 से अधिक व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने का मिशन शुरू किया है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी के.वी.आई.सी. का मिशन जारी रहेगा।

सोशल मीडिया एवं ई-पेपर

वेबिनार के जरिए युवाओं को गांधी विचार शपथ कार्यक्रम में दी गोबर से पेन्ट बनाने और कचरे से हाथ कागज बनाने के नवाचारों की जानकारी

महात्मा गांधी जी की जयंती पर देशभर में 150 गतिविधियों का ऑनलाइन उद्घाटन किया

शुक्रवार • 02.10.2020

06

खादी के नए शोरूम में 40 फीसदी की छूट

माई सिटी रिपोर्टर

खादी आश्रम में खुला खादी रेडीमेड सेंटर

खादी आश्रम अत्याधुनिक मशीनों से लैस

लालसोट में खादी भवन का उद्घाटन

राजकीय/ प्राइवेट औद्योगि

DIPR/C/7816/2020

खादी संस्था में रेडीमेड गारमेंट वर्कशेड और रंगाई-छपाई इकाई का उद्घाटन

सोशल मीडिया एवं ई-पेपर

खादी ग्रामोद्योग भवन का उद्घाट

उ0प्र0 लोक सेवा आयोग
विज्ञप्ति/सूचना

उ0प्र0 लोक सेवा आयोग
विज्ञप्ति

Tweet

Smriti Z Irani @smritiirani · 17h

गांधी जयंती पर उनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर, ग्रामोत्थान की दिशा में आज अमेठी लोकसभा के हलियापुर में 2 स्वयं सहायता समूहों को 2 क्ले ब्लंज़र मशीन एवं 20 कुंभकारों को इलेक्ट्रिक चाक उत्थान सेवा संस्थान के तत्वाधान में वितरित किया गया।

इस सहयोग के लिए @kvicindia का धन्यवाद।

94 139 1K

कम दहेज को लेकर विवाहिता

युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

आत्मनिर्भरता का प्रतीक है खादी : विनय सक्सेना

राष्ट्रदूत

■ 'खादी उत्पादों को अपना राष्ट्र को मजबूत बनाने में योगदान करें'

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर खादी ग्रामोद्योग भंडार स्थित परिसर में खादी सुधार विकास कार्यक्रम के अंतर्गत निर्मित सामान्य सुविधा केंद्र एवं खादी भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय सक्सेना ने कहा कि खादी उत्पाद को अपनाकर राष्ट्र को मजबूत बनाने में योगदान करें व कहा कि खादी हमारे देश की आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार एवं खादी और ग्रामोद्योग आयोग के तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष सक्सेना द्वारा लालसोट क्षेत्रीय खादी ग्रामोद्योग समिति परिसर स्थित नए सामान्य सुविधा केंद्र एवं खादी भवन का आन लाईन उद्घाटन व अनावरण किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान राज्य खादी बोर्ड के निदेशक बीएल मीणा द्वारा खादी के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य रोजगार के अवसर आदि की जानकारी देते हुए खादी से बने उत्पादों को अधिक से अधिक अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष द्वारा सामान्य सुविधा केंद्र व खादी भवन में लगी प्रदर्शनी का ऑनलाइन अवलोकन भी किया।

खादी भवन व सामान्य सुविधा केंद्र के इस उद्घाटन कार्यक्रम को पूरी सोशल डिस्टेंसिंग एवं सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी के तहत संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के दौरान राज्य खादी बोर्ड के निदेशक बीएल मीणा, समिति अध्यक्ष दिनेश मिश्रा सचिव हरिशंकर शर्मा सदस्य पीसीसी सदस्य रामविलास शर्मा राधा मोहन शर्मा कैलाश साहू रामबाबू शर्मा कैलाश प्रसाद सहित संचालक मंडल के सदस्य एवं महिला बुनकर मौजूद रही।

सोशल मीडिया एवं ई-पेपर

गांधी जयंती पर के.वी.आई.सी. जम्मू ने बारामूला में कुम्हारों को 100 बिजली से चलने वाले पहिए वितरित किए

श्रीनगर, 2 अक्तूबर (ओज): गांधी जयंती के अवसर पर राज्य कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग आयोग (के.वी.आई.सी.) जम्मू ने कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के फतहपुरा क्षेत्र में कुम्हारों को 100 बिजली से चलने वाले पहिए वितरित किए।

अध्यक्ष के.वी.आई.सी. विनय कुमार सक्सेना द्वारा कुम्हारों को बिजली से चलने वाले पहिए वितरित किए गए। वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वितरण समारोह में शामिल हुए। बिजली से चलने वाले पहिए वितरित करते समय उन्होंने के.वी.आई.सी. की स्वरोजगार योजना की सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि बिजली से चलने वाले पहिए बारामूला के कुम्हारों को रोजगार के नए अवसर प्रदान करेंगे।

वहीं कुम्हारों ने के.वी.आई.सी. के अध्यक्ष का धन्यवाद देते हुए कहा कि इससे वे आत्मनिर्भर बन जाएंगे। पी.एम.टी.सी. पम्पोर के सहायक निदेशक अंकित शर्मा ने कहा कि कुम्हारों को पी.एम.टी.सी. पम्पोर द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। के.वी.आई.सी. जम्मू के निदेशक एस.पी. खंडेलवाल ने कहा कि के.वी.आई.सी. कारीगरों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नवभारत

आत्मनिर्भरता | खादी व ग्रामोद्योग आयोग ने चरखे का अनावरण कर मनाई गांधी जयंती

स्वदेशी आंदोलन का प्रतीक चरखा: सक्सेना

रोजगार पैदा करना उद्देश्य

जमीनी स्तर पर किया जा रहा कार्य

तैयार होगा आधुनिक डिजाइन से खादी वस्त्र

ಖಾದಿ ಆಯೋಗದಿಂದ ದೇಶಾದ್ಯಂತ 150 ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ

खादी आयोग खिलौनों के निर्माण को देगा बढ़ावा

खादी सुधार कार्यक्रम में 75 को मिला आधुनिक चरखें

भिवाड़ा में खादी ग्रामोद्योग की ओर से वितरित किया गया आधुनिक चरखा।

विकास मण्डल भिवाड़ा के मंत्री ब्रम्हानंद सिंह ने संबोधित करते हुए खादी सुधार एवं विकास पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस अवसर पर रामबरन, मनीष सिंह, बलवंत सिंह, राधिका, सुमित्रा आदि रही।

सोशल मीडिया एवं ई-पेपर

KVIC launches training other activities in J&K on Gandhi Jayanti

TNN BUREAU

... Baramulla and Village: Checkpeth, Tehsil: Dooru of District Anantnag respectively.

Hon'ble Chairman KVIC Shri Vinai Kumar Saxena inaugurated the training programme at Village Safapora of Ganderbal, PMTC Pampore and Village Dodbugh of Baramulla via video conferencing.

Shri Anil Kumar Sharma, Principal, PMTC, Pampore/Assistant Director have stated that all the trades in which the training has started are tradition to the Kashmir region and will help in reviving the traditional arts and will create employment opportunities for rural unemployed youths.

Shri S.P. Khandelwal, State Director, KVIC, Jammu & Kashmir informed that KVIC will help these trained beneficiaries to avail loans under PMEGP scheme for self employment. He also added that on the occasion of Gandhi Jayanti on 02.10.2020, 100 number of Electric Potter's Wheel will be distributed to trained Potters at Palhallan, Baramulla and training will be provided to 50 potters.

Shri S.P. Khandelwal also informed the people of J&K to avail the various facilities of these schemes of KVIC. He also stated that such endeavours of KVIC will continue in near future also.

Admin working tirelessly for people's

युवाओं के लिए प्रेरणा बन रहा बापू का चरखा

ऑनलाइन किया इकाइयों का उद्घाटन

चित्रकला प्रतियोगिता में नीतू ने मारी बाजी

KVIC launches training and other activities in J&K on Gandhi Jayanti

Farooq Rather.

Pampore October 1st : On the auspicious occasion of the 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi and to commemorate the contribution of the Mahatma in shaping today's India, Honorable Chairman Khadi and Village Industries Commission on 01.10.2020 has Launched 150 activities across the country. As per details, Khadi and Village Industries Commission, Ministry of MSME, GoI as a part of its objective to provide employment to youth, has started a campaign to empower them through training in various trades. "In this connection, Production Cum Training Centre (PMTC), KVIC, Pampore has already started training in 11 disciplines at various places in Kashmir Region" they added.

The training is being provided in Willow Work, Crewel Embroidery, Weaving of Shawls and Tweed, Sozni Embroidery and Cutting and Tailoring in Village of Dodbugh, Tehsil: Wagoora, District: Baramulla, Village: Pahlipora, Tehsil: Safapora, District: Ganderbal, Village: Khrew, Tehsil: Pampore, District: Pulwama, PMTC, Pampore, Village & Tehsil: Safapora, District: Ganderbal, Wani Mohalla Kulgam, District: Kulgam, Village: Okey, Tehsil: Kulgam, District: Kulgam, Village: Saloosa, Tehsil: Wagoora, District: Baramulla and Village: Checkpeth, Tehsil: Dooru of District Anantnag respectively.

Hon'ble Chairman KVIC Shri Vinai Kumar Saxena inaugurated the training programme at Village Safapora of Ganderbal, PMTC Pampore and Village Dodbugh of Baramulla via video conferencing.

Shri Anil Kumar Sharma, Principal, PMTC, Pampore/ Assistant Director have stated that all the trades in which the training has started are tradition to the Kashmir region and will help in reviving the traditional arts and will create employment opportunities for rural unemployed youths.

Shri S.P. Khandelwal, State Director, KVIC, Jammu & Kashmir informed that KVIC will help these trained beneficiaries to avail loans under PMEGP scheme for self employment.

Chairman KVIC e-inaugurates training programmes in J&K

STATE TIMES NEWS

SRINAGAR: To commemorate 150th birth anniversary of Mahatma Gandhi, Chairman, Khadi and Village Industries Commission (KVIC), Vinai Kumar Saxena, on Thursday e-inaugurated training programme at Safapora village, Ganderbal PMTC, Pampore and Dodbugh village, Baramulla besides launching a multitude of activities across the country. Pertinently, KVIC Union Ministry of MSME, as a part of its objective to provide employment to youth, has started a campaign to empower youth through training in various trades. In this connection, Production cum Training Centre (PMTC), KVIC, Pampore has already started training in 11 disciplines at various places in Kashmir region. This training is being provided in Willow Work, Crewel Embroidery, Weaving of Shawls and Tweed, Sozni Embroidery besides Cutting and Tailoring in various villages of different districts of the region. State Director, KVIC, Jammu & Kashmir, S.P. Khandelwal, informed that KVIC will help these trained beneficiaries to avail loans under PMEGP scheme for self employment. He informed that 100 Electric Potter Wheels will be distributed among the trained Potters at Palhalan, Baramulla besides training will be provided to 50 potters on the occasion of Gandhi Jayanti tomorrow.

Principal, PMTC, Pampore, Anil Kumar Sharma, stated that all the trades in which the training has started are tradition to the Kashmir region and will help in reviving the traditional arts and will cr... employment opportu... for rural unemp... youths.

KVIC official interacting with trainees.

सोशल मीडिया एवं ई-पेपर

ചാസിന്റെ ജീവകാരുണ്യപ്രവർത്തനങ്ങൾ രാജ്യത്തിനാകെ മാതൃക: വിനയകുമാർ സക്സേന

മംഗളം — Fri, 02 October 2020 — epaper.mangalam.com/c/5537

ചാസിന്റെ പ്രവർത്തനങ്ങൾ രാജ്യത്തിനു മാതൃക: വിനയകുമാർ സക്സേന

ദീപിക — Fri, 02 October 2020 — https://epaper.deepika.com/c/55371824

KVIC Distributed 100 Electric Potters Wheels on Gandhi Jayanti under Kumbhar Sashaktikaran Yojana at Palhalan Baramula

शनिवार SATURDAY 3 अक्तूबर 2020

बारामूला में कुम्हारों को बिजली से चलने वाले पहिए वितरित करते के.वी.आई.सी.के अधिकारी। (अरीज)

के.वी.आई.सी. ने बारामूला में कुम्हारों को बांटे बिजली से चलने वाले 100 पहिए

श्रीनगर, 2 अक्तूबर (अरीज): गांधी जयंती के अवसर पर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (के.वी.आई.सी.) की जम्मू-कश्मीर इकाई ने कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत बारामूला जिले के पलहालन क्षेत्र में कुम्हारों को बिजली से चलने वाले 100 पहिए वितरित किए।

के.वी.आई.सी. चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समारोह में शामिल होकर कुम्हारों को बिजली से चलने वाले पहिए वितरित किए। इस मौके पर इन कारीगरों को संबोधित करते हुए सक्सेना ने कहा कि बिजली से चलने वाले पहिए बारामूला के कुम्हारों को रोजगार के नए अवसर प्रदान करेंगे।

के.वी.आई.सी. जम्मू-कश्मीर के निदेशक एस.पी. खंडेलवाल ने कहा कि के.वी.आई.सी. कारीगरों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पी.एम.टी.सी. पम्पोर के प्रिंसिपल एवं आयोग के सहायक निदेशक अनिल शर्मा ने कहा कि कुम्हारों को पी.एम.टी.सी. पम्पोर द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। वहीं कुम्हारों ने के.वी.आई.सी. के अध्यक्ष को धन्यवाद देते हुए कहा कि इससे वे आत्मनिर्भर बन जाएंगे।

खादी व ग्रामोद्योग आयोग की अनूठी पहल

गोबर से तैयार हो रहा है 'ऑर्गेनिक वैदिक पेन्ट'

स्टार्ट अप के लिए

राष्ट्रीय मानकों पर खरा

बनाने की प्रक्रिया

सोशल मीडिया एवं ई-पेपर

KVIC Distributed 100 Electric Potters Wheels on Gandhi Jayanti under Kumbhar Sashaktikaran Yojana at Palhalan Baramula

BARAMULA 02 SEP 2020: On the occasion of Gandhi Jayanti, State Office, Khadi & Village Industries Commission (KVIC), Jammu, as a part of its commitment to provide sustainable employment opportunities at the doorsteps of rural artisans and propagating Gandhian Values, distributed 100 Electric Potters Wheel to potters at Palhalan, Baramulla (J&K) under Kumbhar Sashaktikaran Yojana. The said potters have been provided training by Production Cum Training Centre (PMTC), KVIC, Pampore. Furthermore training has been stared for 50 potters. The Electric Potters Wheels were distributed to the Potters by Hon'ble Chairman KVIC Shri Vinai Kumar Saxena. He joined the distribution ceremony through video conferencing. While distributing Electric Potter Wheels he lauded the self employment scheme of KVIC and urged to avail the benefits of these schemes. He further stated that Electric Potters Wheel will provide them sustainable livelihood and will increase their socio-economic conditions. These potters thank the Hon'ble Chairman, KVIC saying that this will enable them to earn better livelihood and become 'Aatm Nirbhar'. Shri Anil Sharma, Principal/Asst. Director, PMTC, Pampore stated that the artisans were provided training by PMTC, Pampore in improved techniques such as mixing of Raw Material, Firing of semi-finished products etc. Shri S.P. Khandelwal, Director, KVIC, Jammu informed that the artisans have been provided with pug mill, blunger and kiln, which in turn will enhance the quality of their products.

Shri Khandelwal also stated that KVIC is committed to provide employment opportunity to the artisans by enhancing their traditional skills.

Principal Chief Conservator of Forests

KVIC celebrates Gandhi Jayanti

Srinagar, Oct 2: Khadi and Village Industries Commission (KVIC) rolled out multiple employment generation activities in Jammu & Kashmir to celebrate 151st birth anniversary of Mahatma Gandhi on Friday.

Under Kumbhar Sashaktikaran Yojana, KVIC Chairman Vinai Kumar Saxena distributed electric potter wheels to 100 potter families in Baramulla while also inaugurating the training of artisans in Crewel embroidery and Sozni Embroidery in Ganderbal and Pulwama districts.

He also launched the training of artisans in willow work, a popular local art, in Baramulla district of Jammu & Kashmir.

KVIC Chairman instructed the local KVIC officials to initiate the process for setting up two SFURTI clusters in Jammu & Kashmir for the embroidery work and for making paper mache, the peculiar Kashmiri hand made paper product.

the Brahman Sabha J&K. He shall remain alive forever

KVIC distributes 100 electric potter's wheels on Gandhi Jayanti

KVIC official interacting with potters.

■ STATE TIMES NEWS

BARAMULA: On the occasion of Gandhi Jayanti, State Office, Khadi & Village Industries Commission (KVIC), Jammu, as a part of its commitment to provide sustainable employment opportunities at the doorsteps of rural artisans and propagating Gandhian values, on Friday distributed 100 electric potters wheel to potters at Palhalan, Baramulla under Kumbhar Sashaktikaran Yojana.

The potters have been provided training by Production Cum Training Centre (PMTC), KVIC, Pampore. Furthermore training has been stared for 50 potters. The electric potters wheels were distributed to the potters by Chairman KVIC Vinai Kumar Saxena who joined the distribution ceremony through video conferencing.

While distributing electric potter wheels, he lauded the self employment scheme of KVIC and urged to avail the benefits of these schemes.

The potters thanked the Chairman, KVIC saying that this will enable them to earn better livelihood and become 'Aatm Nirbhar'.

Anil Sharma, Principal/Asst. Director, PMTC, Pampore stated that the artisans were provided training by PMTC, Pampore.

S.P. Khandelwal, Director, KVIC, Jammu informed that the artisans have been provided with pug mill, blunger and kiln, which in turn will enhance the quality of their products.

...inistry of Power

senior officials from MOP and POWERGRID.

The MoU includes targets related to various parameters such as Financial, Physical, Project execution, etc. to be achieved by POWERGRID during the FY 2020-21.

POWERGRID, a Maharatna Company and the Central Transmission Utility (CTU) of the country, has been consistently receiving highest rating under MoU since signing of the first MoU for FY 1993-94.

As on March 31, 2020, the company owns & operates over 163,282 ckm of transmission lines, 248 EHV sub-stations with transformation capacity of more than 4,09,899 MVA.

KVIC distributed 100 electric po... under Kumbhar Sashaktikaran

TNN BUREAU

BARAMULA: On the occasion of Gandhi Jayanti, State Office, Khadi & Village Industries Commission (KVIC), Jammu, as a part of its commitment to provide sustainable employment opportunities at the doorsteps of rural artisans and propagating Gandhian Values, distributed 100 Electric Potters Wheel to potters at Palhalan, Baramulla (J&K) under Kumbhar Sashaktikaran Yojana. The said potters have been provided training by Production Cum Training Centre (PMTC), KVIC, Pampore. Furthermore training has been stared for 50 potters.

The Electric Potters Wheels were distributed to the Potters by Hon'ble Chairman KVIC Shri Vinai Kumar Saxena. He joined the distribution ceremony through video conferencing. While distributing Electric Potter Wheels he lauded the self employment scheme of KVIC and urged to avail the benefits of these schemes. He further stated that Electric Potter Wheel will provide them sustainable livelihood a... increase their socio-ec... conditions. These potte... the Hon'ble Chairma... saying that this will ... them to earn better liv... and become 'Aatm Ni... Shri Anil S... Principal/Asst. Di... PMTC, Pampore stated...

खादी उत्पादनांवर २० टक्के सवलत

म. टा. प्रतिनिधी, मुंबई

खादी आणि ग्रामोद्योग आयोगाच्या वतीने मुंबईच्या मध्यवर्ती कार्यालयामध्ये शुक्रवारी, साडेतीन फुटांच्या स्टीलच्या चरख्याचे अनावरण करण्यात आले. गांधी जयंतीनिमित्त या कार्यक्रमाचे आयोजन करण्यात आले होते. यानिमित्ताने आयोगाच्या देशभरातील विभागीय विक्री केंद्रांवर विक्रीसाठी उपलब्ध करण्यात आलेल्या सर्व उत्पादनांवर (राष्ट्रीय ध्वज वगळता) मर्यादित कालावधीसाठी २० टक्के सवलत देण्यात आल्याचे जाहीर करण्यात आले.

खादी आणि ग्रामोद्योग आयोगाचे अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना यांनी वेब- कॉन्फरन्सच्या माध्यमातून या चरख्याचे अनावरण केले. 'चरखा म्हणजे भारताच्या स्वदेशी चळवळीचे प्रतीक आहे. पंतप्रधान नरेंद्र मोदी भारताला जागतिक स्तरावर अव्वल बनविण्यासाठी करत आहेत. आठ वर्षांमध्ये खादी व ग्रामोद्योगाने आर्थिक उलाढालीमध्ये ६.२८ टक्क्यांवरून २८ टक्क्यांपर्यंत झेप घेतली आहे, अशी माहिती सक्सेना यांनी दिली. आयोगाच्या वतीने गांधी जयंतीच्या पूर्वसंध्येला, गुरुवारी देशभरामध्ये विविध १५० उपक्रमांना प्रारंभ करण्यात आला आहे. यात खादीविक्री केंद्राचे उद्घाटन करण्यात आले असून कारागिरांच्या प्रशिक्षणाचा प्रारंभ करण्यात आला.

मुंबई | शनिवार, 3 अक्टूबर 2020 5

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने चरखे का अनावरण कर मनाई गांधी जयंती

सैट 16 अक्टूबर तक आमने-सामने की सुनवाई नहीं करेगा

While Paying homage, Nath Gopal Magotra said he was a renowned personality researcher founder member of the Brahman Sabha J&K. He and courage to the aggrieved family to bear such a great loss. Gopal further said his noble services to the society shall remain alive forever

KVIC distributes 100 electric potter's wheels on Gandhi Jayanti

KVIC official interacting with potters.

■ STATE TIMES NEWS

BARAMULA: On the occasion of Gandhi Jayanti, State Office, Khadi & Village Industries Commission (KVIC), Jammu, on Friday distributed 100 electric potters wheel to potters at Palhalan, Baramulla under Kumbhar Sashaktikaran Yojana.

सोशल मीडिया एवं ई-पेपर

- फेसबुक पर

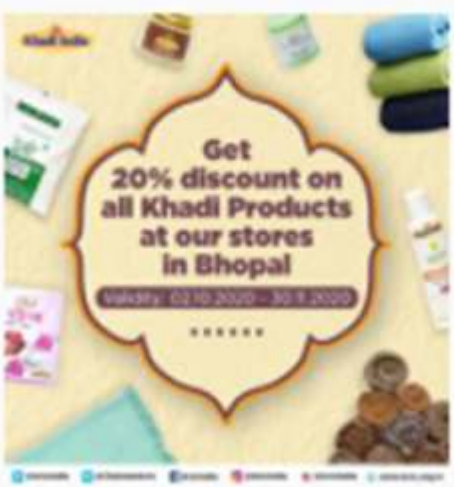

सोशल मीडिया एवं ई-पेपर

- इंस्टाग्राम पर

• Special Day posts •

पर्यावरणानुकुल मनमोहक खादी डिजाइनर परिधान

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

Khadi India

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय,भारत सरकार
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056.
वेबसाईट : www.kvic.org.in

"भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृध्दि बुनतें हैं"